द्वितीय वर्ष

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर तृतीय	**सत्र** 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC31
२	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**तुलनात्मक राजनीति**
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)**	कोर कोर्स
4	**पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)**	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)**	1 इस कोर्स को पूर्ण करने पर विद्यार्थी तुलनात्मक राजनीति, उसके परंपरागत एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य तथा व्यवहारवादी विचारबंध से परिचित हो पाएंगे। 2 विद्यार्थी डेविड ईस्टन के व्यवस्था उपागम तथा आमण्ड और पावेल के संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे। 3 विद्यार्थी राजनीतिक विकास, राजनीतिक आधुनिकरण एवं राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण की अवधारणा को समझ पाएंगे। 4 विद्यार्थी मार्क्सवादी लेनिनवादी उपागम का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर पाएंगे। 5 विद्यार्थी राजनीतिक अभिजन राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक भर्ती एवं राजनीतिक संचार के विचारों को समझ पाएंगे
6	**क्रेडिट मान**	5
7	**कुल अंक**	100

<table>
<tr><th colspan="3">भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु</th></tr>
<tr><th colspan="3">व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में)ः 6 घंटे
कुल व्याख्यान - 75 घंटे</th></tr>
<tr><th>इकाई</th><th>विषय</th><th>व्याख्यान की संख्या</th></tr>
<tr><td rowspan="2">I</td><td>1 तुलनात्मक राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
2 तुलनात्मक राजनीति का उद्भव
3 तुलनात्मक राजनीति का परम्परागत एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य
4 तुलनात्मक राजनीति व्यवहारवादी विचारबन्ध</td><td rowspan="2">15</td></tr>
<tr><td>गतिविधि -समूह चर्चा -विद्यार्थियों को समूह में विभक्त कर तुलनात्मक राजनीति के परंपरागत एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य और व्यवहारवादी विचारबंध पर समूह चर्चा करवाएं।</td></tr>
<tr><td rowspan="2">II</td><td>1 राजनीतिक व्यवस्था उपागम एवं विश्लेषण (डेविड इस्टन)
2 संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम एवं विश्लेषण (आमण्ड और पॉवेल)</td><td rowspan="2">15</td></tr>
<tr><td>गतिविधियां 1 वाद विवाद - ईस्टन के व्यवस्था उपागम तथा आमण्ड और पावेल के संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम पर वाद विवाद आयोजित किया जाए ताकि विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हो सके
2 पोस्टर निर्माण - ईस्टन के व्यवस्था उपागम तथा आमण्ड और पावेल के संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम पर पोस्टर निर्माण करवाकर विद्यार्थियों की समझ को बेहतर कर सकते हैं।</td></tr>
<tr><td rowspan="2">III</td><td>1 राजनीतिक विकास उपागम एवं विश्लेषण (लुसियन पाई, हंटिगटन, आमण्ड,ऑरगेन्स्की)
2 राजनीतिक आधुनिकीकरण
3 राजनीतिक संस्कृति</td><td rowspan="2">15</td></tr>
<tr><td>गतिविधि - इंटरएक्टिव क्विज- इंटरएक्टिव क्विज का आयोजन किया जाए जिससे विद्यार्थियों में राजनीतिक विकास, आधुनिकीकरण और राजनीतिक संस्कृति के संबंध में समझ बेहतर हो सके।</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>1 तुलनात्मक राजनीति में मार्क्सवादी-लेनिनवादी उपागम</td><td>15</td></tr>
</table>

	2 माक्सवादी-लेनिनवादी उपागम का आलोचनात्मक मूल्यांकन 3 राजनीतिक अभिजन (पेरेटो, मोरका, मिचेल के विचार)	
	गतिविधियां 1 वाद विवाद- मार्क्सवादी लेनिन वादी उपागम पर वाद विवाद आयोजित किया जाए जिससे विद्यार्थी इसकी प्रासंगिकता व प्रभावकारिता जान सकें। 2 पैनल चर्चा -परेटो, मोस्का व मिचेल्स पर पैनल बनाते हुए अभिजन सिद्धांत पर चर्चा करवाई जाए ताकि विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हो सके।	
V	1 राजनीतिक समाजीकरण (एप्टर, ऑमण्ड, पॉवेल के विचार) 2 राजनीतिक सहभागिता एवं राजनीतिक भर्ती (एप्टर, आमण्ड एवं पॉवेल केविचार) 3 राजनीतिक संचार (नार्बट वाइनर एवं कार्ल डब्ल्यू डायस के विचार)	15
	गतिविधि - समूह चर्चा - विद्यार्थियों को समूह में विभक्त कर राजनीतिक समाजीकरण, सहभागिता और राजनीति संचार पर समूह में चर्चा करवाई जाए।	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. G. Almond, Comparative Politics Today : A World View, 7th edn., New York, London, 2000.
2. Almond and Powell, Comparative Politics : A Developmental approach, Boston, Little Brown, 1966.
3. J.A. Bill and R. Hardgrave, Comparative Politics : The Quest for Theory, Columbus, Merrill, 1973.
4. J. Blondel, An Introduction to Comparative : Government, London, Weidenfeld and Nicolson.
5. H. Eckstein and D.E. Apter, Comparative Politics, New York, Free Press, 1963.
6. Macridis and Ward, Modern Political Systems : Europe and Asia, 2nd ed. Englewood cliffs NJ, Princeton Hall, 1968.
7. Lucian Pye, New Aspects of Politics Princeton Hall, 1963.
8. Almond and Coleman, Politics of Developing Areas, Little Brown, 1966.
9. L. Diamond, Political Culture and Democracy in Developing countries, Boulder Colorado, Lynne Rienner, 1993.

1) ओमप्रकाश गाबा, तुलनात्मक राजनीति की रूपरेखाएस. चंद पब्लिशिंग द्वितीय संस्करण 2023

2) सी.बी. गेना, तुलनात्मक राजनीति, एस चंद प्रकाशन
3) डॉ बीएल फड़िया, डॉ कुलदीप फड़िया - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, साहित्य भवन पब्लिकेशन
4) जे. सी. जोहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टरर्लिंग पब्लिशर्स प्रा. लि. 2022
5) प्रो. जी. पी. नेमा, तुलनात्मक राजनीति, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2008
6) डॉ नरेंद्र सिंह, तुलनात्मक राजनीति-एक अध्ययन, आर्य पब्लिकेशन, 2013
7) कुसुम बाजपेई, तुलनात्मक राजनीति, इशिका पब्लिशिंग हाउस जयपुर 2012

https://egyankosh.ac.in

https://hostnezt.com/cssfiles/politicalscience/Comparative%20Government%20and%20Politics%20Rod%20Hague%20and%20Martin%20Harrop.pdf

https://tripurauniv.ac.in/site/images/pdf/StudyMaterialsDetail/POLS-802C-Comparative%20Politics.pdf

भाग द - अनुशंसित ममूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियां: **अधिकतम अंक: 100 न्यूनतम अंक 40** **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,** **विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60**		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE): 40	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय: 03 घंटे	**अनुभाग (अ): पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

<table>
<tr><td colspan="4">भाग : परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम:द्विवर्षीय पाठ्यक्रम</td><td>कक्षा: एम.ए.</td><td>सेमेस्टर तृतीय</td><td>सत्र 2025 - 26</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय: राजनीति विज्ञान</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="3">CC32</td></tr>
<tr><td>२</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="3">भारत की विदेश नीति</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)</td><td colspan="3">कोर कोर्स</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)</td><td colspan="3">इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)</td><td colspan="3">1 इस कोर्स को पूर्ण करने पर विद्यार्थी भारतीय विदेश नीति के निर्धारक कारकों सिद्धांतों एवं उद्देश्यों को समझ सकेंगे

2 विद्यार्थी भारत के अमेरिका, रूस एवं चीन के साथ संबंधों का विश्लेषण कर पाएंगे

3 विद्यार्थी भारत के पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान से संबंधों को समझ पाएंगे

4 विद्यार्थी भारत के नेपाल और भूटान के साथ संबंधों को तथा एससीओ, आसियान, सार्क दक्षेश एवं बिम्सटेक में भारत की भूमिका का विश्लेषण कर पाएंगे

5 विद्यार्थियों में संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, जी20 तथा आण्विक निशस्त्रीकरण में भारत की भूमिका की समझ विकसित हो पाऐगी

6 विद्यार्थी 21वीं शताब्दी में भारतीय विदेश नीति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आकलन कर पाएंगे|</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="3">5</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td colspan="3">100</td></tr>
</table>

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में)ः 6 घंटे **कुल व्याख्यान - 75 घंटे**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
I	1. विदेश नीति :अर्थ, प्रकृति और निर्धारक तत्व 2. भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व :आंतरिक एवं बाह्य 3. भारतीय विदेश नीति के सिद्धांत एवं उद्देश्य	15
	गतिविधि- समूह चर्चा- विद्यार्थियों को समूहों में विभक्त किया जाए और उनसे भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्वों सिद्धांतो एवं उद्देश्यों पर चर्चा करवाई जाए	
II	1. भारत और अमेरिका 2. भारत और रूस 3. भारत और चीन	15
	गतिविधि- पैनल चर्चा- विद्यार्थियों के तीन पैनल बनाए जाएं और उनसे भारत के अमेरिका रूस और चीन से संबंधों पर चर्चा करवाई जाए	
III	1. भारत और पाकिस्तान 2. भारत और बांग्लादेश 3. भारत और श्रीलंका 4. भारत और अफगानिस्तान	15
	गतिविधि- समूह चर्चा- विद्यार्थियों को समूहों में विभक्त कर उनसे भारत के पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं अफगानिस्तान के साथ वर्तमान संबंधों पर चर्चा करवाई जाए	
IV	1. भारत और नेपाल 2. भारत और भूटान 3. भारत तथा क्षेत्रीय संगठन- एस.सी.ओ., आसियान, दक्षेस, बिम्स्तेक	15
	गतिविधि- इंटरएक्टिव क्विज- इंटरएक्टिव क्विज का आयोजन किया जाए और विद्यार्थियों से एससीओ, आसियान, सार्क एवं बिम्स्तेक पर प्रश्न पूछे जाए	

V	1. भारत की संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स एवं जी-20 में भूमिका 2. भारत एवं आणविक नि:शस्त्रीकरण 3. 21वीं सदी में भारतीय विदेश नीति के समक्ष चुनौतियां	15
	गतिविधियां- 1 इंटरएक्टिव क्विज इंटरएक्टिव क्विज का आयोजन किया जाए और विद्यार्थियों से संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स और जी 20 में भारत की भूमिका पर प्रश्न पूछे जाए 2. वाद विवाद भारत की विदेश नीति के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर वाद विवाद आयोजित किया जाए	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. P.M. Cronin, From Globalism to Regionalism : New Perspective on US Foreign and Defense Policies, Washington, National Defense University Press, 1993.
2. J.B. Dunlop, The Rise of Russia and the Fall of the Soviet Empire, Princeton NJ, Princeton University Press, 1993.
3. R.E. Kanet and A.V. Kozhmiakin, The Foreign Policy of Russian Federation, London Macmillan, 1997.
4. S.J.R. Bilgrami, India and the UN, New Delhi, Jamia, 1969.
5. V.P. Dutt, India's Foreign Policy in a Changing world, New Delhi, Vikas, 1999.
6. N. Jetley, India's Foreign Policy : Challenges and Prospects, New Delhi, Janaki Prakashan, 1985.
7. N.K. Jha, (ed.), India's Foreign Policy in a Changing World, New Delhi, South Asian Publishers, 2000.
8. H. Kapur, India's Foreign Policy : 1947-1993, New Delhi, Sage, 1994.
9. S. Mansingh, India's Search for Power, New Delhi, Sage, 1995.
10. J. Nehru, India's Foreign Policy : Selected Speeches, September 1946 - April 1961, New Delhi, Publications Division Government of India, 1971.

1. जे. एन. दीक्षित, भारतीय विदेश नीति, प्रभात प्रकाशन 2020
2. डॉ. रामदेव भारद्वाज, भारत की विदेश नीति मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी 2021
3. जगत एस मेहता, भारत की विदेश नीति कल आज और कल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस 2008
4. वी.एन. खन्ना, लिपाक्षी अरोड़ा, लैस्ली कुमार - भारत की विदेश नीति, विकास पब्लिशिंग 2019
5. डॉ रामप्रवेश शर्मा, भारतीय विदेश नीति, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन 2009
6. डॉ बी. सिंह गहलोत, भारतीय विदेश नीति, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस 2011
7. आर.एस.यादव, भारत की विदेश नीति, पियर्सन एजुकेशन इंडिया 2013

- https://egyankosh.ac.in
- https://tripurauniv.ac.in/site/images/pdf/StudyMaterialsDetail/POLS-1004E-India_s%20Foreign%20Policy.pdf
- https://sde.uoc.ac.in/sites/default/files/sde_videos/SLM-Politics-India%27s%20Foreign%20Policy_0.pdf

<table>
<tr><th colspan="3">भाग द - अनुशंसित ममूल्यांकन विधियां</th></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः

अधिकतम अंक: 100   न्यूनतम अंक 40

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,

विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन
(CCE): 40</td><td>4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए</td><td>कुल अंक: 40</td></tr>
<tr><td>आकलन:
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय: 03 घंटे</td><td>अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)

अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)</td><td>कुल अंक: 60</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी/सुझावः</td></tr>
</table>

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम:द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर तृतीय	सत्र 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC33
२	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**अंतरराष्ट्रीय कानून**
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)**	कोर कोर्स
4	**पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)**	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)**	
6	**क्रेडिट मान**	5
7	**कुल अंक**	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में)ः 6 घंटे **कुल व्याख्यान - 75 घंटे**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
I	1. अंतरराष्ट्रीय कानून उद्भव एवं विकास, अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं स्त्रोत 2. अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाएं एवं संभावनाएं गतिविधि- समूह चर्चा- विद्यार्थियों को समूह में विभक्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून के उद्भव, स्रोतों व सीमाओं पर चर्चा करें	15
II	1. अंतरराष्ट्रीय कानून एवं राष्ट्रीय कानून के मध्य संबंध 2. अंतरराष्ट्रीय कानून का संहिताकरण एवं क्रमिक विकास गतिविधि- पैनल चर्चा- विद्यार्थियों के दो पैनल बनाकर एक से अंतरराष्ट्रीय कानून और राष्ट्रीय कानून के मध्य संबंध और दूसरे से अंतरराष्ट्रीय कानून के संहिता कारण व क्रमिक विकास पर चर्चा करवाएं	15
III	1. अंतर्राष्ट्रीय विधिक सिद्धांत: मान्यता,समानता, समुद्र नियम, संधि की बाध्यता,राजनयिक उन्मुक्तियां एवं सुविधाएं, प्रत्यर्पण।	15

	गतिविधि- इंटरएक्टिव क्विज- अंतरराष्ट्रीय विधिक सिद्धांतों पर इंटरएक्टिव क्विज आयोजित की जाए	
IV	1. तटस्थता का कानून, तटस्थ शक्तियों के अधिकार एवं कर्तव्य, तटस्थता का उल्लंघन, नाकाबंदी	15
	गतिविधि -समूह चर्चा -तटस्थता के कानून पर विद्यार्थियों के समूह बना चर्चा करवाई जाए	
V	1. हवाई युद्ध, थल युद्ध एवं समुद्री युद्ध के नियम 2. अधिकार क्षेत्र की संप्रभुता- वायुमंडल एवं अंतरिक्ष पर अधिकार क्षेत्र 3. मानवता के विरुद्ध अपराध एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून का प्रावधान, युद्ध बंदियों के साथ व्यवहार,1949 जेनेवा सम्मेलन	15
	गतिविधियां 1. इंटरएक्टिव क्विज - हवाई, थल एवं समुद्री युद्ध के नियमों पर इंटरएक्टिव क्विज आयोजित की जाए 2. वाद विवाद- मानवता के विरुद्ध अपराध एवं अंतरराष्ट्रीय कानून और युद्ध बंदियों के साथ व्यवहार पर वाद विवाद आयोजित किया जाए	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. Pitt, Cobbet: Leading Cases in International Law
2. Oppenheim L. : International Law
3. Fenwick, G.G. : International Law
4. Lawrence: Principle of International Law
5. Green, L.C. : International Law Through Cases.
6. Strake, J.G. : An Introduction to International Law
7. Bricrly, J.L. : The Law of Nations.
8. Garner, J.M. : Recent Development in International Law
9. Hall, W.E. : International Law
10. Schewarzenberger, George : International Law
11. Jesup, Philip, C.J. : A Modern Law of Nations

1) एस के कपूर, मानव अधिकार एवं अंतर्राष्ट्रीय विधि सेंट्रल लॉ एजेंसी 2022
2) बी.एल. फड़िया, अंतरराष्ट्रीय कानून, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
3) हरिश्चंद्र शर्मा, अंतरराष्ट्रीय कानून कॉलेज बुक डिपो जयपुर
4) डॉ. बी.एल. फाडिया और डॉ. कुलदीप फाडिया अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं अंतरराष्ट्रीय कानून, साहित्य भवन पब्लिकेशन 2018
5) मुंद्रिका प्रसाद, अंतरराष्ट्रीय कानून, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस 2009

• https://epustakalay.com/book/48060-international-law-by-harishchandra-sharma/ • https://legal.un.org • https://egyankosh.ac.in

भाग द - अनुशंसित ममूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः **अधिकतम अंक: 100** **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,** **विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60**		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE): 40	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा **समय: 03 घंटे**	**अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60
कोई टिप्पणी/सुझावः		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर तृतीय	सत्र 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC34
२	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	इस पाठ्क्रम हेतु चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	1 विद्यार्थी इस कोर्स को पूरा करने पर भारतीय संघीय व्यवस्था की प्रकृति तथा केंद्र राज्य संबंधों को समझ पाएंगे। 2 विद्यार्थी सरकारिया आयोग की रिपोर्ट एवं क्षेत्रीय दलों के संघीय व्यवस्था पर प्रभाव के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे 3 विद्यार्थी संघीय व्यवस्था की नई प्रवृत्तियों और राज्यों द्वारा स्वायत्तता की मांग को जान पाएंगे। 4 स्वतंत्र भारत में नगरीय व ग्रामीण स्थानीय स्वशासन के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे 5 विद्यार्थी 73 वें एवं 74वें संविधान संशोधन को तथा स्थानीय शासन में वित्त महिलाओं और नौकरशाही एवं उनके प्रभाव को समझ पाएंगे।
6	क्रेडिट मान	5
7	कुल अंक	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): 6 घंटे कुल व्याख्यान - 75 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	1. भारतीय संघीय व्यवस्था की प्रकृति एवं विकास 2. केन्द्र राज्य संबंध: विधायी, वित्तीय एवं प्रशासनिक	15
	गतिविधि -पैनल चर्चा- केन्द्र राज्य संबंधों तथा भारतीय संघीय व्यवस्था	

	की प्रकृति पर विद्यार्थियों के पैनल बनाकर चर्चा की जाए।	

II	1. सरकारिया आयोग रिपोर्ट :एक विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक अध्ययन 2. अंतर राज्य परिषद 3. क्षेत्रीय दल एवं उनका संघीय व्यवस्था पर प्रभाव	15
	गतिविधि -वाद विवाद- सरकारिया आयोग की रिपोर्ट, अंतर्राज्यीय परिषद एवं राजनीतिक दलों की संघीय व्यवस्था में भूमिका पर वाद विवाद आयोजित किया जा सकता है।	
III	1. भारतीय संघीय व्यवस्था की नयी उभरती प्रवृत्तियां 2. राज्यों द्वारा स्वायत्तता की मांग 3. स्वतंत्र भारत में स्थानीय स्वशासन का विकास, 73वां एवं 74वां संवैधानिक संशोधन	15
	गतिविधि- वाद विवाद- संघीय व्यवस्था की नई प्रवृत्तियों, राज्यों की स्वायत्तता की मांग एवं 73वें 74वें संविधान संशोधन पर वाद विवाद आयोजित किया जाए	
IV	1. ग्रामीण स्थानीय स्वशासन-संगठन, शक्तियां एवं कार्य (मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में) 2. नगरीय स्थानीय स्वशासन-संगठन, शक्तियां एवं कार्य (मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में)	15
	गतिविधियां- 1. समूह चर्चा- ग्रामीण एवं शहरी सुशासन पर विद्यार्थियों के दो समूह बनाकर चर्चा की जाए। 2. पोस्टर निर्माण - ग्रामीण स्थानीय स्वशासन व नगरीय स्थानीय स्वशासन की संरचना व शक्तियों पर विद्यार्थियों से पोस्टर निर्माण करवाया जाए	
V	1. स्थानीय स्वशासन एवं वित्त 2. स्थानीय स्वशासन में नौकरशाही 3. पंचायतों में महिला आरक्षण एवं उसके प्रभाव 4. स्थानीय स्वायत्तता एवं इसका महत्व.	15
	गतिविधि- वाद विवाद - स्थानीय स्वशासन में वित्त, नौकरशाही एवं स्वायत्तता तथा पंचायत में महिलाओं पर वाद विवाद का आयोजन किया जाए।	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. S.P. Aiyar and U. Mehta (eds.), Essays on Indian Federalism, Bombay, Allied Publishers,1965.
2. D.D. Basu, An Introduction to the Constitution of India, New Delhi, Prentice Hall,1994 (in Hindi
3. K.R. Bombwall, The Foundations of Indian Federalism, Bombay, Asia Publishing House, 1967.
4. R. Khan, Rethinking Indian Federalism, Shimla, Indian Institute of Advanced Studies, 1997.
5. R. Kothari, Party System and Election Studies, Bombay, Asia Publishing House, 1967.
6. J.A. Kousar, Federalism and Good Governance : Issues across Cultures, New Delhi, South Asian, 1998.
7. P. Kumar, Studies in Indian Federalism, New Delhi, Deep and Deep 1988.
8. Z. Hasan (ed.), Parties and Party Politics in India, New Delhi, Oxford University press, 2001.
9. J. Manor, "Parties and the Party System", in A. Kohli (ed.) India's Democracy : An Analysis of Changing State-Society Relations, Princeton NJ, Princeton University Press, 1988.
10. S. Pai, State Politics : New Dimensions : Party System, Liberalisation and Politics of Identity, Delhi, Shipra, 2000.
11. M. Weiner, Party Building in a New Nation : The Indian Congress, Chicago, University of Chicago Press, 1967.

1) डॉ एस आर महेश्वरी, भारत में स्थानीय शासन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल एजुकेशनल पब्लिशर 2017
2) हरीश कुमार खत्री, भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन, कैलाश पुस्तक सदन 2016
3) धर्मराज शर्मा, भारतीय संघ व्यवस्था , रावत पब्लिकेशन 2016
4) यशवंत कुमार राव, भारत की संघीय व्यवस्था, अंकित पब्लिकेशन 2016

- https://egyankosh.ac.in
- https://www.isec.ac.in/wp-content/uploads/2023/07/WP-378-Susant-Kumar-Naik-Final.pdf
- https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/68777/1/Unit-5.pdf
- https://www.rtuassam.ac.in/online/staff/classnotes/files/1625242700.pdf
- https://ncert.nic.in/textbook/pdf/keps208.pdf
- https://www.nios.ac.in/media/documents/srsec317newE/317EL16.pdf

<table>
<tr><td colspan="3">भाग द - अनुशंसित मम्ल्यांकन विधियां</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः
अधिकतम अंक: 100   न्यूनतम अंक 40
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,
विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन:
सतत व्यापक मुल्यांकन
(CCE): 40</td><td>4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए</td><td>कुल अंक: 40</td></tr>
<tr><td>आकलन:
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय: 03 घंटे</td><td>अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)

अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)</td><td>कुल अंक: 60</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी/सुझावः</td></tr>
</table>

S.S.in Political Science & Public Administration
Vikram University, Ujjain (M.P.)